

मीडिया समन्वय कार्यालय  
जामिया मिलिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

27 फरवरी 2017

आदिवासियों की पहचान और जुबान बचाने पर जेएमआई में सम्मेलन

जामिया मिलिया इस्लामिया में आज आदिवासियों की समस्याओं के बारे दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें आदिवासियों की पहचान और जुबान के संरक्षण पर खास ज़ोर दिया गया।

आईसीएसएसआर प्रायोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय है “ संक्रमणकाल में आदिवासी : खास पहचान बचाने की पुष्टि ” ।

इस सम्मेलन में जेएनयू के एमेरिटस प्रो टी के ओमेन ने अपने अतिथितीय संबोधन में कहा कि भारत में ऐसे बेशुमार आदिवासी कबीले हैं जिनकी अपनी अलग अलग परंपरा, जुबान और संस्कृति है लेकिन यह खतरा यह है कि यह धीरे धीरे खत्म हो रही है जिसे बचाने की सख्त जरूरत है।

जेएमआई के कुलपति प्रो तलत अहमद ने कहा कि आठवीं कक्षा तक हरकिसी को उसकी मातृभाषा में पढ़ाई की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अपनी मातृभाषा में पढ़ने से बच्चों को उसे समझने में आसानी होती है। ऐसा करने से पिछड़ गए आदिवासी बच्चों को मुख्यधारा में लाना आसान होगा।

प्रो अहमद ने आदिवासियों का पारंपरिक ढोल बजा कर सम्मेलन का उद्घाटन किया।

કાર્યાલય મિડિયા કોઆરડિનેટર

જેએમઆઈ

font: krutidev 010



SUPPORTED BY  
TRIBES IN TRANSITION - II  
REASSERTING INDIGENOUS ENTITLEMENT  
THROUGH NARRATIVE

Department of English, JMI  
Summer Research Project, 2016  
JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI  
25 JANUARY 2017



TALAT AHMAD  
Vice Chancellor, JMI

A man with grey hair and glasses, wearing a white shirt and a dark grey checkered vest, is seated at a conference table. He is looking towards the right side of the frame. A nameplate in front of him identifies him as Talat Ahmad, Vice Chancellor of Jamia Millia Islamia.

T. K. OOMEN

An older man with a white beard and glasses, wearing a yellow patterned kurta, is seated at the same conference table. He is gesturing with his hands while speaking. A nameplate in front of him identifies him as T. K. Oomen.



